लेखक
की
अन्य प्रकाशन



DEIGNED BY. MUHAMMAD ZUBAIR
AL-FAZL COMPUTER SAHARANPUR +91-9359209995

WRITTEN BY. DR. SHAH
Shahid Rasheed
SABRI
AMBEHTA PEER, DISTT. SAHARANPUR
(U.P.) INDIA M. 9759192020

नमाज़
और
इस्लाम
के
कलमात
लफ़्ज़ी तरजुमे के साथ



पेशकश:
डा० शाह
शाहिद रशीद साबरी
अम्बेहटा पीर,
ज़िला सहारनपुर (यू०पी०)
मो० 9759192020

नमाज और इसलाम
के
कलिमात मा लफजी
तरजमा

तरतीब व पेशकश
डा० शाह शाहिद रशीद साबरी
अम्बैहटा पीर जाद गान सहारनपुर
फोन न0 9759192020

तफसीलात

नाम किताब__________नमाज और इस्लाम के कलिमात मा लफजी तरजमा

तरतीब व पेशकश______डा० शाह शाहिद रशीद साबरी

सन तबाअत_________नवम्बर 2019

तादाद_____________एक हजार

मुआविन खुसूसी_______हा मुन्तसिर साहब

जुमला हुकूक_________इस किताब को छपवाकर तकसीम करने की इजाजत है

कम्पुयूजिन्ग_________मदनी कम्पुयूटर अम्बैहटा पीर

फोन न० **8865047931**

पेश लफज

इसलाम के अरकान पॉच है ।

1 कलिमा **2** नमाज **3** रोजा **4** जकात **5** हज।

अगर हम इन अरकान को इनकी रूह को समझ के साथ अन्जाम दे तो ये अमल इन्शाअल्लाह हमारी जिन्दगी की हर परेशानी और हर मुसीवत से निजात का सवव बनेगा। अगर हम हर अमल को समझ कर पढेगे तो उस मे रूह पडजायेगी ये किताबचा इसको मद्देनजर रखकर लिखागया है कि हम जो नमाज पढ रहे है उसको समझ कर पढे जिस से उस मे रूह पडजाये अल्लाह ताला हम को समझकर अमल करने की तौफीक अता फरमाये। इस किताबचे मे जितनी भी सूरते दी गई हे उनका एक एक लफज के मायने दरज किये गये है और उसका रवॉ तरजमा भी दरज किया गया है अल्लाह ताला मुझको और पढने वालो को फैजयाब होने की तौफीक अता फरमाये। आमीन। तालिबे दुआ

डा० शाहिद रशीद साबरी

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْم

نماز	नमाज
تکبیر تحریمه	तकवीरे तहरीमा

اَللّٰهُ اَکْبَرُ	अल्लाह सबसे बडा है

ثناء
सना

سُبْحَانَکَ	اللّٰهُمَّ	وَبِحَمْدِکَ
पाक है तू	अय अल्लाह	और तारीफ है तेरे लिये
وَتَبَارَکَ	اسْمُکَ	وَتَعَالٰى
और बरकत वाला है	तेरा नाम	और बुलन्द व वाला है
جَدُّکَ	وَلَاإِلٰهَ	غَيْرُکَ

तेरी बुजरगी	और नही कोई मावूद	सिवाय तेरे

पाक है तू अय अल्लह और तारीफ है तेरे लिये और बरकत वाला है तेरा नाम और बुलन्द व वाला है तेरी बुजरगी और नही कोइ मावूद सिवाय तेरे

تَعَوُّذ

اَعُوْذُ	بِاللّٰهِ	مِنَ الشَّيْطَانِ
मै पनाह में आताहूं	अल्लाह की	शैतान से

الرَّجِيْم
जो मरदूद है

मै पनाह में आताहूँ अल्लाह की शैतान से जो मरदूद है

تَسْمِيَة

بِسْمِ	اللّٰهِ	الرَّحْمٰنِ
नाम से	अल्लाह के	जो बहुत मेहरवान

الرَّحِيْم

रहम करने वाला है

سورة الفاتحة

اَلْحَمْدُ	لِلّٰهِ	رَبِّ

परवरदिगार है	वास्ते अल्लाह के	सब तारीफ है
الرَّحِيْم	اَلرَّحْمٰنِ	الْعَا لَمِيْنَ
मेहरबान है	बख्शिश करनेवाला	जो सब जहानो का
الدِّيْنِ	يَوْمِ	مَالِکِ
क्यामत के	दिन का	मालिक है
وَ	نَعْبُدُ	اِيَّاکَ
और	हम इबादत करते हैं	तेरी ही
اِهْدِ نَا	نَسْتَعِيْنُ	اِيَّاکَ

दिखा हम को — हम मदद चाहते है — तुझ ही से

صِرَاطَ	الْمُسْتَقِيْم	الصِّرَاطَ
रास्ता	सीधा	सीधा रास्ता
عَلَيْهِمْ	اَنْعَمْتَ	الَّذِيْنَ

जिन पर — तूने इनाम किया — उन लोगों का

عَلَيْهِمْ	الْمَغْضُوْبِ	غَيْرِ
जिन पर	गजब किया	ना
آمين	الضَّآلِيْنَ	وَلَا

कबूल कर	गुमराहों का	और ना

सब तारीफ है वास्ते अल्लाह के जो सब जहानो का परवरदिगार है। बख्शिश करनेवाला मेहरबान है। क्यामत के दिन का मालिक है। हम तेरी ही इबादत करते हैं। और तुझ ही से मदद चाहते हैं। दिखा हम को सीधा रास्ता। रास्ता उन लोगों का जिन पर तूने इनाम किया ना उन लोगो का जिन पर गजब किया और ना गुमराहों का। }कबूल कर}

سورة الضحیٰ

اِذَاسَجٰی	وَاللَّيْلِ	وَالضُّحٰی
जब वो करार पकडे	और रात की	कसम है दिन की रोशनी की
وَمَا قَلٰی	رَبُّکَ	مَاوَدَّعَکَ
और ना वेजार हुआ	तेरे रब ने	ना रूखस्त करदिया तुझको
مِنَ الْاُوْلٰی	خَيْرٌلَّکَ	وَلَلْاٰ خِرَةُ
पहली से	बेहतर है तुझको	और अलबत्ता पिछली
رَبُّکَ	يُعْطِيْکَ	وَلَسَوْفَ

तेरा रब	देगा तुझको	और आगे
يَتِيمًا	اَلَمْ يَجِدْكَ	فَتَرْضٰى
यतीम	भुला नही पाया तुझको	फिर तू राजी होगा
ضَآلًّا	وَوَجَدَكَ	فَاٰوٰى
भटकता	और पाया तुझको	फिर जगह दी
عَائِلًا	وَوَجَدَكَ	فَهَدٰى
मुफलिस	और पाया तुझको	राह सुझाई
اَلْيَتِيْمَ	فَاَمَّا	فَاَغْنٰى
यतीम हो	सो जो	बेपरवाह करदिया
وَاَمَّا	تَقْهَرْ	فَلَا
और जो	मत दबा	उसको
تَنْهَرْ	فَلَا	السَّائِلَ
मत झिडक	उसको	माँगता हो
رَبِّكَ	بِنِعْمَةِ	وَاَمَّا
तेरे रब का	अहसान है	और जो
	فَحَدِّثْ	

तू बयान कर

तरजमा

कसम है दिन की रोशनी की और रात की जब वो करार पकडे ना रूखस्त करदिया तुझको तेरे रब ने और ना बेजार हुआ और अलबत्ता पिछली बेहतर है तुझको पहली से और आगे देगा तुझको तेरा रब फिर तू राजी होगा भुला नही पाया तुझको यतीम फिर जगह दी और पाया तुझको भटकता राह सुझाई और पाया तुझको मुफलिस फिर बेपरवा करदिया सो जो यतीम हो उस को मत दबा और जो माँगताहो उस को मत झिडक और जो अहसान है तेरे रब का तू बयान कर।

سورة الم نشرح

وَوَضَعْنَا	صَدْرَكَ	اَلَمْ نَشْرَحْ لَكَ
और उतार रखा	तेरा सीना	क्या हमने नही खोल दिया
الَّذِىْ	وِزْرَكَ	عَنْكَ
जिस ने	बोझ तेरा	हमने तुझ पर से
وَرَفَعْنَا	ظَهْرَكَ	اَنْقَضَ

और वुलन्द किया	पीठ तेरी	झुकादी थी
فَاِنَّ	ذِكْرَكَ	لَكَ
सो अलवत्ता	जिक्र तेरा	हमने
اِنَّ	يُسْرًا	مَعَ الْعُسْرِ
अलवत्ता	आसानी है	मुश्किल के साथ
فَاِذَا	يُسْرًا	مَعَ الْعُسْرِ
फिर जव	आसानी है	मुश्किल के साथ
وَاِلٰى	فَانْصَبْ	فَرَغْتَ
और अपने	तू मेहनत कर	फारिग हो

فَارْغَبْ	رَبِّكَ
दिल लगा	रव की तरफ

तरजमा

क्या हमने नही खोल दिया तेरा सीना और उतार रखा हमने तुझ पर से बोझ तेरा जिस ने झुकादी थी पीठ तेरी और वुलन्द किया हमने जिक्र तेरा सो अलवत्ता मुश्किल के साथ आसानी है अलवत्ता मुश्किल के साथ आसानी है फिर जव फारिग हो तू मेहनत कर और अपने रव की तरफ

दिल लगा।

سورہ زلزال

الْاَرْضُ	زُلْزِلَتِ	اِذَا
जमीन को	हिला डाले	जव
اَخْرَجَتِ	وَ	زِلْزَالَهَا
निकाल वाहर करे	और	उसके भुंचाल से
وَقَالَ	اَثْقَالَهَا	الْاَرْضُ
और कहे	अपने अन्दर से वोझ	जमीन
يَوْمَئِذٍ	مَالَهَا	الْاِنْسَانُ
उस दिन	इसको क्या होगया	आदमी
بِاَنَّ	اَخْبَارَهَا	تُحَدِّثُ
इसवास्ते के	अपनी बातें	कह डाले गी वोह
لَهَا	اَوْحٰى	رَبَّكَ
इसका	हुक्म भेजा	तेरे रव ने
النَّاسُ	يَّصْدُرُ	يَوْمَئِذٍ
लोग	हो पडेंगे	उस दिन

اَعْمَالَهُمْ	لِّيُرَوْا	اَشْتَاتًا
उनके आमाल	के इनको दिखा दिये जायेंगे	तरह तरह पर
مِثْقَالَ ذَرَّةٍ	يَّعْمَلْ	فَمَنْ
जररा भर	भलाई की	सो जिसने
مَنْ	وَ	خَيْرًا يَّرَهٗ
जिसने	और	वोह देख लेगा उसे
شَرًّا يَّرَهٗ	مِثْقَالَ ذَرَّةٍ	يَّعْمَلْ
वोह देखलेगा उसे	जररा भर	की बुराई

तरजमा

जब हिला डाले जमीन को उके भुचाल से और निकाल बाहर करे जमीन अपने अन्दर से बोझ और कहे आदमी इसको क्या होगया इस दिन कह डालेगी वोह अपनी बातें इसवास्ते के तेरे रब ने हुक्म भेजा इसको उस दिन हो पडेंगे लोग तरह तरह पर के इनको दिखा दिये जायेंगे उनके आमाल सो जिसने भलाई की जररा भर वोह देख लेगा उसे और जिसने की बुराइ जररा भर वोह देखलेगा उसे

سوره عصر

الْاِنْسَانَ	اِنَّ	وَالْعَصْرِ
इनसान	बेशक	कसम है असर की
الَّذِيْنَ	اِلَّا	لَفِيْ خُسْرٍ
जो लोग	मगर	टोटे मे है
الصّٰلِحٰتِ	وَعَمِلُوْا	اٰمَنُوْا
भले काम	और किये	यकीन लाये
وَتَوَاصَوْا	بِالْحَقِّ	وَتَوَاصَوْا
और आपस मे ताकीद करते रहे	सच्चे दीन की	और आपस मे ताकीद करते रहे
	तहम्मुल की	بِالصَّبْرِ

तरजमा

कसम है असर की मगर बेशक इनसान टोटे मे हे मगर जो लोग के यकीन लाये और किये भले काम और आपस मे ताकीद करते रहे सच्चे दीन की और आपस मे ताकीद करते रहे तहम्मुल की।

سوره ماعون

يُكَذِّبُ	الَّذِىْ	اَرَءَيْتَ
जो झुटलाता है	उसको	तूने देखा
الَّذِىْ	فَذَالِكَ	بِالدِّيْنِ
जो	सो यह वही है	इन्साफ होने को
وَلاَ	الْيَتِيْمَ	يَدُعُّ
और नही	यतीम को	धक्के देता है
طَعَامِ	عَلٰى	يَحُضُّ
खाने खिलान की	पर	ताकीद करता
لِّلْمُصَلِّيْنَ	فَوَيْلٌ	الْمِسْكِيْنِ
उन नमाजियों की	फिर खरावी है	मोहताज के
صَلَاتِهِمْ	هُمْ عَنْ	الَّذِيْنَ
नमाज से	अपनी	जो
يُرَاؤُنَ	الَّذِيْنَ هُمْ	سَاهُوْنَ
दिखलावा करते हैं	वोह जो	बे खवर हैं
	الْمَاعُوْنَ	وَيَمْنَعُوْنَ
	वरतने की चीज	और मांगी ना देवें

तरजमा

तूने देखा उसको जो झुटलाता है इन्साफ होने को सो यह वही है जो धक्के देता है यतीम को और नही ताकीद करता पर खाना खिलाने की मोहताज के फिर खरावी है उन नमाजियों की जो अपनी नमाज से बे खवर हैं वोह जो दिखलावा करते हैं और मांगी ना देवें वरतने की चीज।

سوره كوثر

الْكَوْثَرَ	اَعْطَيْنٰكَ	اِنَّا
खैर कसीर	हमने दी तुझको	बेशक
وَانْحَرْ	لِرَبِّكَ	فَصَلِّ
और कुरवानी कर	अपने रव के आगे	सो नमाज पढ
هُوَ	شَانِئَكَ	اِنَّ
वही	जो दुशमन है तेरा	बेशक
रह गया पीछे कटा नामुराद	الْاَبْتَرُ	

तरजमा

बेशक हमने दी तुझको खैर कसीर सो नमाज पढ अपने रव के आगे और

कुरवानी कर वेशक जो दुशमन है तेरा वही रह गया पीछे कटा नामुराद।

سورہ کافرون

الْكٰفِرُوْنَ	يٰۤاَيُّهَا	قُلْ
मुनकिरो	अय	तू कह
وَلَا	مَاتَعْبُدُوْنَ	لَاۤاَعْبُدُ
और ना	जिसको तुम पूजते हो	मे नही पूजता
مَاۤاَعْبُدُ	عٰبِدُوْنَ	اَنْتُمْ
जिसको मे पूजूँ	पूजो	तुम
عَابِدٌ	اَنَا	وَلَاۤ
पूजना है	मुझको	और ना
اَنْتُمْ	وَلَاۤ	مَاعَبَدْتُّمْ
तुम को	और ना	उसको जिसको तुमने पूजा
لَكُمْ	مَاۤاَعْبُدُ	عٰبِدُوْنَ
तुमको	जिसको मे पूजूँ	पूजना है उसको
دِيْنِ	وَلِىَ	دِيْنُكُمْ

मेरी राह	और मुझको	तुम्हारी राह

तरजमा

तू कह अय मुनकिरो मे नही पूजता जिसको तुम पूजते हो और ना तुम पूजो जिसको मे पूजूँ और ना मुझको पूजना है उसका जिसको तुमने पूजा और ना तुमको पूजना है उसको जिसको मे पूजूँ तुमको तुम्हारी राह और मुझको मेरी राह।

سورہ نصر

نَصْرُاللّٰهِ	جَآءَ	اِذَا
मदद अल्लाह की	पहुंच चुके	जब
رَاَيْتَ	وَ	وَالْفَتْحُ
तू देखे	और	और फैसला
فِىْ دِيْنِ	يَدْخُلُوْنَ	النَّاسَ
दीन में	दाखिल होते	लोगो को
فَسَبِّحْ	اَفْوَاجًا	اللّٰهِ
तू पाकी बोल	झुंड के झुंड	अल्लाह के
وَاسْتَغْفِرْهُ	رَبِّكَ	بِحَمْدِ

और गुनाह वख्शवा उससे	अपने रव की	खूबियॉं
تَوَّابًا	كَانَ	اِنَّهٗ
माफ करने वाला है	वोह	वेशक

तरजमा

जब पहुंच चुके मदद अल्लाह की और फैसला और तू देखे लोगो को दाखिल होते अल्लाह के दीन में झुंड के झुंड तू पाकी वोल खूबियॉं अपने रव की गुनाह वख्शवा उससे वेशक वोहमाफ करने वाला है।

سوره اخلاص

اللّٰهُ	هُوَ	قُلْ
अल्लाह	वह	कह दीजिये
الصَّمَدُ	اَللّٰهُ	اَحَدٌ
वेनियाज है	अल्लाह	एक है
وَلَمْ يَكُنْ	وَلَمْ يُوْلَدْ	لَمْ يَلِدْ
और नाही	और ना वोह जना गया	ना उसने जना

اَحَدٌ	كُفُوًا	لَّهٗ
कोई	हमसर	उसका

तरजमा

कह दीजिये वह अल्लाह एक है अल्लाह वेनियाज है ना उसने जना और ना वोह जना गया और नही उसका हमसर कोई

سوره فلق

بِرَبِّ	اَعُوْذُ	قُلْ
रव की	मै पनाह मे आता हूँ	कह दीजिये
مَا	مِنْ شَرِّ	الْفَلَقِ
जो	शर से	सुवह के
غَاسِقٍ	وَمِنْ شَرِّ	خَلَقَ
अन्धेरे से	और शर से	उसने पैदा किया
و	وَقَبَ	اِذَا
और	छाजाये	जब
فِي الْعُقَدِ	النَّفّٰثٰتِ	مِنْ شَرِّ
गिरेहो मे	फूँक मारने वालियों के	शर से

حَاسِدٍ	مِن شَرِّ	وَ
हसद करने वाले के	शर से	और
	حَسَدَ	اِذَا
	वह हसद करे	जव

तरजमा

कह दीजिये मैपनाह मै आता हूँ सुवह के रव की शर से जो उसने पैदा किया और शर से अन्धेरे से जब छाजाये और शर से फूँक मारने वालियों के गिरेहो मे और शर से हसद करने वाले के जव वह हसद करे।

سوره ناس

بِرَبِّ	اَعُوْذُ	قُلْ
रव की	में पनाह में आता हूँ	कह दीजिये
النَّاسِ	مَلِكِ	النَّاسِ
लोगो के	वाद शाह की	लोगो के
مِنْ شَرِّ	النَّاسِ	اِلٰهِ
शर से	लोगो के	मावूद की
الَّذِىْ	الْخَنَّاسِ	الْوَسْوَاسِ

जो	छुप छुप कर हमला करने वाले के	वसवसा डालने वाले
النَّاسِ	فِىْ صُدُوْرِ	يُوَسْوِسُ
लोगों के	दिलों में	वसवसा डालता है
	وَالنَّاسِ	مِنَ الْجِنَّةِ
	और इनसानो मेसे	जिनो मेसे

तरजमा

कह दीजिये मं पनाह मं आता हूँ लोगो के रव की लोगो के वाद शाह की लोगो के मावूद की शर से वसवसा डालने वाले छुप छुप कर हमला करने वाले के जो वसवसा डालता है दिलों में लोगों के जिनो मेसे और इनसानो मेसे।

رکوع میں پڑھی جانے والی تسبیح

الْعَظِيْمِ	رَبِّىَ	سُبْحٰنَ
अजमत वाला	मेरा रव	पाक है

رکوع سے اٹھنے کی تسبیح

حَمِدَہٗ	لِمَنْ	سَمِعَ اللّٰهُ
तारीफ की	उसकी जिसने	सुनली अल्लाह ने

تشہد

وَالصَّلَوٰةُ	لِلّٰهِ	اَلتَّحِيَّاتُ
और सभी बदनी इबादते	अल्लाह ही के लिये है	सभी कौली इबादते
عَلَيْکَ	اَلسَّلَامُ	وَالطَّيِّبَاتُ
सलाम हो	आप पर	और सभी माली इबादते
وَبَرَکَاتُهٗ	وَرَحْمَةُ اللّٰهِ	اَيُّهَاالنَّبِىُّ
और बरकते उसकी	और अल्लाह की रहमत	अय नवी
وَعَلٰى	عَلَيْنَا	اَلسَّلَامُ
और बन्दो पर	हमपर	सलाम हो
اَشْهَدُ	الصَّالِحِيْنَ	عِبَادِاللّٰهِ
मे गवाही देताहूँ	जो नेक हैं	अल्लाह के
اِلَّا اللّٰهُ	لَااِلٰهَ	اَنْ

सिवाय अल्लाह के	नही काई माबूद	के
مُحَمَّداً	اَنَّ	وَاَشْهَدُ
मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम	के	और मे गवाही देताहूँ
	وَرَسُوْلُهٗ	عَبْدُهٗ
	और उसके रसूल है	उसके बन्दे

तरजमा

सभी कौली इबादते अल्लाह ही के लिये है और सभी बदनी इबादते और सभी माली इबादते सलाम हो आप पर अय नवी और अल्लाह की रहमत और बरकते उसकी सलाम हो हमपर और बन्दो पर अल्लाह के जो नेक हैं ।

मे गवाही देता हूँ के नही काई माबूद सिवाय अल्लाह के और मे गवाही देताहूँ के मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम उसके बन्दे और उसके रसूल है।

درود شریف

عَلٰى مُحَمَّدٍ	صَلِّ	اَللّٰهُمَّ

मुहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम पर	रहमत भेज	अय अल्लाह
كَمَا	مُحَمَّدٍ	وَعَلٰى اٰلِ
जैसे	मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की	और आल पर
وَعَلٰى اٰلِ	عَلٰى اِبْرَاهِيْمَ	صَلَّيْتَ
और आल पर	इब्राहीम पर	भेजी रहमत तूने
حَمِيْدٌ	اِنَّکَ	اِبْرَاهِيْمَ
तारीफ के काविल	बेशक तू	इब्राहीम की
بَارِکْ	اَللّٰهُمَّ	مَجِيْدٌ
बरकत नाजिल फरमा	अय अल्लाह	बुजरूगी वाला है
مُحَمَّدٍ	وَعَلٰى اٰلِ	عَلٰى مُحَمَّدٍ
मुहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम की	और आल पर	मुहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम पर
عَلٰى اِبْرَاهِيْمَ	بَارَکْتَ	كَمَا
इब्राहीम पर	बरकत का नुजूल	जैसे

اِبْرَاهِيْمَ	عَلٰى اٰلِ	وَ
इब्राहीम की	ऊपर आल के	और
مَجِيْدٌ	حَمِيْدٌ	اِنَّکَ
बुजरूगी वाला है	तारीफ के काबिल	बेशक तू

तरजमा

अय अल्लाह रहमत भेज मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम पर और आल पर मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की जैसे भेजी रहमत तूने इब्राहीम पर और ऊपर आल के इब्राहीम की बेशक तू तारीफ के काविल बुजरूगी वाला है।

अय अल्लाह बरकत नाजिल फरमा मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम पर और आल पर मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की जैसे बरकत का नुजूल किया था तूने इब्राहीम पर और ऊपर आल के इब्राहीम की बेशक तू तारीफ के काविल बुजरूगी वाला है।

دعاء ماثوره

ظَلَمْتُ	اِنِّیْ	اَللّٰهُمَّ
जुल्म किया मैने	बेशक	अय अल्लाह

كَثِيْرًا	ظُلْمًا	نَفْسِىْ
बहुत	जुल्म	अपने ऊपर
الذُّنُوْبَ	يَغْفِرُ	وَلاَ
गुनाहो को	बख्शता है	और नही
فَاغْفِرْ	اَنْتَ	اِلَّا
पस बख्शदे	तू	मगर
مِنْ	مَغْفِرَةً	لِىْ
अपने	बख्शिश	मुझे
اِنَّکَ	وَارْحَمْنِىْ	عِنْدِکَ
बेशक	और रहम कर मेरे ऊपर	पास से
الرَّحِيْمُ	الْغَفُوْرُ	اَنْتَ
बहुत मेहरबान है	बहुत बख्शने वला	तूही है

तरजमा

अय अल्लाह बेशक जुल्म किया मेने अपने ऊपर जुल्म बहुत और नही बख्शता है गुनाहों को मगर तू पस बख्शदे मुझे बखशिश अपने पास से और रहम कर मेरे ऊपर और बेशक तूही है

बहुत बख्शने वला बहुत मेहरबान है।

فِى الدُّنْيَا	اٰتِنَا	رَبَّنَا
दुनिया मे	हमें दे	अय हमारे रब
حَسَنَةً	وَّفِى الْاٰخِرَةِ	حَسَنَةً
भलाई	और आखरत मे	भलाई
النَّارِ	عَذَابَ	وَّقِنَا
आग के	अजाब से	और हमे बचा

तरजमा

अय हमारे रब हमें दे दुनिया मे भलाई और आखरत मे भलाई और हमे बचा अजाब से आग के।

سلام

وَ	عَلَيْكُمْ	اَلسَّلَامُ
और	तुम पर	सलाम हो
	اللّٰهِ	رَحْمَةُ
	अल्लाह की	रहमत

तरजमा

सलाम हो तुम पर और रहमत अल्लाह की।

دعاءقنوت

وَنَسْتَغْفِرُکَ	اِنَّانَسْتَعِیْنُکَ	اَللّٰھُمَّ
और तेरी बख्शिश चाहते है	हम तुझ से मदद मागते है	अय अल्लाह
وَنَتَوَکَّلُ	بِکَ	وَنُؤْمِنَ
और भरोसा करते है	तुझ पर	और ईमान रखते है
عَلَیْکَ	وَنُثْنِیْ	عَلَیْکَ
तेरी	ब्यान करते है	तुझ पर
وَلَانَکْفُرُکَ	وَنَشْکُرُکَ	اَلْخَیْرَ
और तेरी नाशुक्री नही नही करते	और तेरा शुक्र करते है	खूबियॉ
مَنْ یَّفْجُرُکَ	وَنَتْرُکُ	وَنَخْلَعُ
उसको जो तेरी नाफरमानी करे	और छोड देते है	और अलैहदा रहते है

نَعْبُدُ	اِیَّاکَ	اَللّٰھُمَّ
हम इबादत करते है	तेरी ही	अय अल्लाह
وَنَسْجُدُ	نُصَلِّیْ	وَلَکَ
सजदा करते है	नमाज पढते है	और तेरे लिए ही
وَنَحْفِدُ	نَسْعٰی	وَاِلَیْکَ
और खिदमत करते है	दौडते	और तेरी ही तरफ
وَ	رَحْمَتَکَ	وَنَرْجُوْ
और	तेरी रहमत की	और उम्मीद रखते है
اِنَّ	عَذَابَکَ	نَخْشٰی
बेशक	तेरे अजाब से	डरते हैं
مُلْحِقٌ	بِالْکُفَّارِ	عَذَابَکَ
पहुँचने वाला है	काफिरो को	तेरा अजाब

तरजमा

अय अल्लाह हम तुझ से मदद मागते है और तेरी बख्शिश चाहते है और तुझपर ईमान रखते है और तुझ पर भरोसा करते है तेरी खूबियॉ ब्यान करते है और तेरा शुक्र करते है हम और तेरी नाशुक्री नही नही करते और

अलैहदा रहते है और छोड देते है हम उसको जो तेरी नाफरमानी करे अय अल्लाह हम तेरी ही इबादत करते है और तेरे लिए ही नमाज पढते है और सजदा करते है और तेरी ही तरफ दौडते और खिदमत करते है और तेरी रहमत की उम्मीद रखते है और तेरे अजाब से डरते हैं बेश्क तेरा अजाब काफिरो को पहुँचने वाला है।

नमाजे जनाजा

तकबीरे अव्वल	تکبیراول
अल्लाह बहुत बडा है	اَللّٰهُ اَکْبَرُ

ثنا

وَبِحَمْدِ کَ	اللّٰهُمَّ	سُبْحَانَکَ
और तेरी तारीफ के साथ	इलाही मे	तेरी पाकी के साथ
وَتَعَالٰی	اسْمُکَ	وَتَبَارَکَ
और बुलन्द है	तेरा नाम	और बावरकत है
ثَنَائُکَ	وَجَلَّ	جَدُّکَ

तेरी तारीफ	और बडी है	तेरी शान
غَيْرُکَ	اِلٰهَ	وَلَا
तेरे सिवा।	कोई माबूद	और नही

तरजमा

तेरी पाकी के साथ इलाही मे और तारीफ के साथ और बावरकत है तेरा नाम और बुलन्द है तेरी शान और बडी है तेरी तारीफ और नही कोई माबूद तेरे सिवा।

दूसरी तकबीर	تکبیر دوم
अल्लाह बहुत बडा है	اَللّٰهُ اَکْبَرُ

درود شریف

عَلٰی مُحَمَّدٍ	صَلِّ	اَللّٰهُمَّ
मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम पर	रहमत भेज	अय अल्लाह
اٰلِ	عَلٰی	وَ
आल	ऊपर	और
صَلَّيْتَ	کَمَا	مُحَمَّدٍ

भेजी रहमत तूने	जैसे	मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की
وَرَحِمْتَ	وَبَارَکْتَ	وَسَلَّمْتَ
और मेहरबानी की	और बरकत दी	और सलाम भेजा
اِبْرَاهِیْمَ	عَلٰی	وَتَرَحَّمْتَ
इब्राहीम के	ऊपर	और मेहरबानी की
اِبْرَاهِیْمَ	اٰلِ	وَعَلٰی
इब्राहीम की	आल के	और
مَجِیْدٌ	حَمِیْدٌ	اِنَّکَ
बुजरूगी वाला है	तारीफ के काबिल	वेशक तू

तरजमा

अय अल्लाह रहमत भेज मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम पर और आल पर मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की जैसे भेजी रहमत और सलाम भेजा और बरकत दी और मेहरबानी की तूने इब्राहीम पर और ऊपर आल के इब्राहीम की वेशक तू तारीफ के काबिल बुजरूगी वाला है

तीसरी तकबीर	تکبیر سوم

अल्लाह बहुत बडा है	اَللّٰہُ اَکْبَرُ

دعا

لِحَیِّنَا	اغْفِرْ	اَللّٰهُمَّ
हमारे जिन्दो को	वख्शदे	इलाही
وَغَائِبِنَا	وَشَاهِدِنَا	وَمَیِّتِنَا
और हर गैर हाजिर को	और हमारे हर हाजिर को	और हमारे मुदो को
وَذَکَرِنَا	وَکَبِیْرِنَا	وَصَغِیْرِنَا
और हमारे हर मर्द को	और हमारे हर वडे को	और हमारे हर छोटे को
مَنْ	اَللّٰهُمَّ	وَاُنْثٰنَا
जिसको	इलाही	और हमारी हर औरत को

فَاَحْیِهٖ   مِنَّا   اَحْیَیْتَهٗ

उस को जिन्दा रख	हम मेसे	जिनदा रखे तू
تَوَفَّیْتَهٗ	وَمَنْ	عَلَی الْاِسْلَامِ

मौत दे	और जिस को	इसलाम पर
عَلَى الْاِيْمَانِ	فَتَوَفَّهٗ	مِنَّا
ईमान पर	तू उसको मौत दे	हम मेसे

❁तरजमा❁

इलाही वख्शदे हमारे जिन्दो को और हमारे मुर्दो को और हमारे हर हाजिर को और हर गैर हाजिर को और हमारे हर छोटे को और हमारे हर वडे को और हमारे हर मर्द को और हमारी हर औरत को इलाही जिसको जिन्दा रखे हम मेसे तू उस को जिन्दा रख इसलाम पर और जिस को मौत दे हम मेसे तू उसको मौत दे इमान पर।

चौथी तकबीर	تکبیر چھارم
अल्लाह बहुत वडा है	اَللّٰهُ اَکْبَرُ

دائیں اور بائیں کہے

وَ	عَلَيْكُمْ	اَلسَّلَامُ
और	तुम पर	सलाम हो

اللّٰهِ	رَحْمَةُ

अल्लाह की	रहमत

❁तरजमा❁

सलाम हो तुम पर और अल्लाह की रहमत।

نابالغ لڑکے کی میت کی دعا

لَنَا	اجْعَلْهُ	اَللّٰهُمَّ
हमारे लिये	इस लडके को बना दे	इलाही
لَنَا	وَاجْعَلْهُ	فَرَطًا
हमारे लिये	बना दे	आगे पहुँच कर सामान करने वाला
ذُخْرًا	وَ	اَجْرًا
वक्त पर काम आने वाला	और	अज्र
لَنَا	اجْعَلْهُ	وَ
हमारे लिये	बना दे इसको	और
مُشَفَّعًا	وَ	شَافِعًا

जिसकी शिफारिश मंजूर होजाये	और	शिफारिश करने वाला

तरजमा

इलाही इस लडके को हमारे लिये आगे पहुँच कर सामान करने वाला बना दे और इसको हमारे लिये अज्र और वक्त पर काम आने वाला बना दे और इसको हमारी शिफारिश करने वाला बना दे और जिसकी शिफारिश मंजूर हाजाये।

نابالغ لڑکی کی میت کی دعا

لَنَا	اجْعَلْهَا	اَللّٰهُمَّ
हमारे लिये	इस लडकी को बना दे	इलाही
اجْعَلْهَا	وَ	فَرَطاً
इस को बना दे	और	आगे पहुँच कर सामान करने वाली
وَذُخْراً	اَجْراً	لَنَا
और वक्त पर काम आने वाली	अज्र	हमारे लिये

لَنَا	اجْعَلْهَا	وَ
हमारे लिये	इस को बनादे	और
مُشَفِّعاً	وَ	شَافِعَةً
जिसकी शिफ़ारिश मंजूर हाजाये	और	शिफारिश करने वाली

तरजमा

इलाही इस लडकी को हमारे लिये आगे पहुँच कर सामान करने वाली वनादे और इसको हमारे लिये अज्र और वक्त पर काम आने वाली बना दे और इसको हमारी शिफारिश करने वाली बना दे और जिसकी शिफारिश मंजूर हाजाये।

इसलाम के कलमे

अव्वल कलमा

اللّٰهُ	اِلَّا	لَااِلٰهَ
अल्लाह के	सिवा	नही है कोई मावूद
اللّٰهِ	رَّسُوْلُ	مُحَمَّدٌ

अल्लाह के	रसूल है	मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम

तरजमा

नही है कोई मावूद सिवा अल्लाह के मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम अल्लाह के रसूल है।

دوسرا کلمہ شہادت

اِلَّا	اَنْ لَا اِلٰهَ	اَشْهَدُ
सिवा	के नही है कोई मावूद	मे गवाही देता हूँ
لَا	وَحْدَهٗ	اللّٰهُ
नही	वोह अकेला है	अल्ल्लाह के
وَاَشْهَدُ	لَهٗ	شَرِيْكَ
और मे गवाही देता हूँ	उसका	कोई शरीक
عَبْدُهٗ	مُحَمَّدًا	اَنَّ
उस के वन्दे	मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्ल्म	वैशक

وَرَسُوْلُهٗ
और उसके रसूल है

तरजमा

मे गवाही देता हूँ के नही है कोई मावूद सिवा अल्ललाहु के वोह अकेला है उसका कोई शरीक नही और मे गवाही देता के हूँ मुहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्ल्म उस के वन्दे और उसके रसूल है।

तीसरा कलमा तमजीद

وَالْحَمْدُ	اللّٰهِ	سُبْحَانَ
और सव तारीफ	अल्लाह	पाक है
اِلَّا اللّٰهُ	وَلَا اِلٰهَ	لِلّٰهِ
सिवा अल्लाह के	और नही है कोई मावूद	अल्लाह के लिये है
وَلَاحَوْلَ	اَكْبَرُ	وَاللّٰهُ
और नही है कोई ताकत	सवसे वडा है	और अल्लाह
بِاللّٰهِ	اِلَّا	وَلَا قُوَّةَ

साथ अल्लाह के	मगर	और ना कुव्वत

الْعَظِيْم	الْعَلِيِّ
अजमत वाला है	जो बडी शान वाला

तरजमा

अल्लाह पाक है और सवतारीफ अल्लाह के लिये है और नही है कोई मावूद सिवा अल्ल्लाह के और अल्लाह सवसे वडा है और नही है कोई ताकत और ना कुव्वत मगर साथ अल्लाह के जो वडी शान वाला अजमत वाला है।

चौथा कलमा तौहीद

اللّٰهُ	اِلَّا	لَا اِلٰهَ
अल्लाह के	सिवा	नही है कोई मावूद
لَهٗ	لَاشَرِيْکَ	وَحْدَهٗ
उसका	कोई शरीक नही	वोह अकेला है
وَلَهٗ	الْمُلْکُ	لَهٗ
और उसी के लिए	वादशाही है	उसी के लिए
وَيُمِيْتُ	يُحْيِیْ	الْحَمْدُ

और मारता है	वोह जिन्दा करता है	तारीफ है
لَا يَمُوْتُ	حَیٌّ	وَهُوَ
नही मरेगा	जिन्दा है	वोह
وَالْاِکْرَام	ذُوْالْجَلَالِ	اَبَدًا اَبَدًا
और इकराम वाले	मरतबा वाले	कभी भी
وَ	الْخَيْرُ	بِيَدِهٖ
और	भलाई है	उसी के हाथ मे
قَدِيْرٌ	عَلٰى كُلِّ شَيْئٍ	هُوَ
कादिर है	हर चीज पर	वोह

तरजमा

नही है कोई मावूद सिवा अल्लाह के वोह अकेला है उसका कोई शरीक नही उसी के लिए वादशाही है और उसी के लिए तारीफ है वोह जिन्दा करता है मारता है वोह जिन्दा है नही मरेगा अजमत और बुजुरगी वाला है कभी भी मरतवा और इकराम वाले उसी के हाथ मे भलाई है और वोह हर चीज पर कादिर है

पाँचवा कलमा इस्तिगफार

مِنْ كُلِّ	اَللّٰهَ رَبِّىْ	اَسْتَغْفِرُ
हर	अय मेरे रव	मे माफी चाहता हूँ
عَمَداً	اَذْنَبْتُهٗ	ذَنْبٍ
जान कर	किये हो मेने	गुनाह की
اَوْ عَلَانِيَةً	سِرًّا	اَوْخَطَاً
या जाहिरी	पोशीदा हो	या भूले से
مِنَ الذَّنْبِ	اِلَيْهِ	وَّاَتُوْبُ
उस गुनाह की	उसी की तरफ	और मे तोवा करता हूँ
وَمِنَ الذَّنْبِّ	اَعْلَمُ	اَلَّذِىْ
और उस गुनाह की	मे जानू	जिसको
اِنَّکَ اَنْتَ	لَا اَعْلَمُ	اَلَّذِىْ
बेशक आप	ना जानू	जिसको
وَسَتَّارُ	الْغُيُوْبِ	عَلَّامُ
और पर्दा डालने वाले है	गायब के	जानने वाले हैं
الذُّنُوْبِ	وَغَفَّارُ	الْعُيُوْبِ

गुनाहों का	और माफ करने वाले है	ऐवों पर
و	لَاحَوْلَ	وَ
और	नही है कोई ताकत	और
اِلَّا	قُوَّةَ	لَا
मगर साथ	कुव्वत	ना
الْعَظِيْمِ	الْعَلِىِّ	بِاللّٰهِ
अजमत वाला है	जो बडी शान वाला	अल्लाह के

तरजमा

अय मेरे रव मे अपने हर गुनाह की माफी चाहता हूँ जान कर किये हो या भूले से पोशीदा हो या जाहिरी और उसी की तरफ मे मुतवज्जे होता हूँ हर उस गुनाह को लेकर जिसको मे जानू या ना जानू बैशक आप गायव के जानने वाले हैं और ऐवों पर पर्दा डालने वाले है और गुनाहों को माफ करने वाले है और नही है कोई ताकत और ना कुव्वत मगर साथ अल्लाह के जो वडी शान वाला अजमत वाला है ।

छठा कलम रद्दे कुफर

اَعُوْذُ	اِنِّی	اَللّٰھُمَّ
पनाह मान्गता हूँ	मे	इलाही
اُشْرِکَ	مِنْ اَنْ	بِکَ
शरीक वनाऊँ	इस वात से के	तेरी
وَاَنَا اَعْلَمُ	شَیْئاً	بِکَ
और मुझे इलम हो	किसी चीज को	तेरा
لِمَا	وَاَسْتَغْفِرُکَ	بِهٖ
उस गुनाह की	और मे माफी माँगता हूँ तुझसे	उसका
تُبْتُ	بِهٖ	لَا اَعْلَمُ
मेने तोवा की	जिस का	मुझे इल्म नही
مِنَ الْکُفْرِ	وَتَبَرَّأْتُ	عَنْهُ
कुफर से	और वेजार हुआ	उस मे
وَالْغِیْبَتِ	وَالْکِذْبِ	وَالشِّرْکِ
और गीवत से	और झूठ से	और शिर्क से

وَالْفَوَاحِشِ	وَالنَّمِیْمَتِ	وَالْبِدْعَتِ
और वे हयाई से	और चुगली से	और विदत से
کُلِّهَا	وَالْمَعَاصِیْ	وَالْبُهْتَانِ
और हर किसम की	नाफरमानियों से	इलजाम से
وَاَقُوْلُ	وَآمَنْتُ	وَاَسْلَمْتُ
और मे कहता हूँ	और मे इमान लाया	और मे इसलाम लाया
اِلَّا	اِلٰهَ	لَا
सिवा	कोई मावूद	नही
رَّسُوْلُ	مُحَمَّدٌ	اَللّٰهُ
रसूल है	मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्ललम	अल्लाह के
	اللّٰهِ	
	अल्लाह के	

तरजमा

इलाही मे तेरी पनाह मान्गता हूँ इसवात से के किसी चीज को तेरा शरीक बनाऊँ और मुझे उसका इल्म हो और मे माफी मन्गता हूँ तुझसे उस गुनाह

की जिस का मुझे इल्म नही मेने उस से तोबा की और बेजार हुआ कुफर से और शिग्क से और झूठ से और गीवत मे और बिदत से और चुगली से और वे हयाई के कामो से और इलजाम से और हर किसम की नाफरमानियों से और मे इसलाम लाया और मे इमान लाया और मे कहता हूँ के अल्लाह के सिवा कोई मावूद नही मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम अल्लाह के रसूल है।

تراویح کی دعا

وَالْمَلَكُوْتِ	ذِی الْمُلْکِ	سُبْحَانَ
और बादशाही वाला है	जो मिलक वाला है	पाक है वोह
وَ	ذِی الْعِزَّتِ	سُبْحَانَ
और	जो इज्जत वाला है	पाक है वोह
وَالْقُدْرَةِ	وَالْهَيْبَةِ	الْعَظْمَةِ
और कुदरत वाला है	और हैवत वाला है	अजमत वाला है
الْجَبَرُوْتِ	وَ	وَالْكِبْرِيَاءِ
सतवत वाला है	और	वडाई वाला है

الْحَی	الْمَلِکِ	سُبْحَانَ
जिन्दा रहने वाला है	जो बादशाह है	पाक है वोह
وَلَایَمُوْتُ	لَایَنَامُ	الَّذِی
और ना मौत है	ना नीन्द है।	जिसे
رَبُّنَا	قُدُّوْسٌ	سُبُّوْحٌ
हमारा परवरदिगार	वेइन्तहा मुकद्दस है	वेइन्तहा पाक है
وَالرُّوْحِ	الْمَلٰئِكَةِ	وَرَبُّ
और रूह का	फरिशतों	और परवरदिगार है
مِنَ النَّارِ	أَجِرْنَا	اَللّٰهُمَّ
आग से	वचाना	इलाही
يَامُجِيْرُ	يَامُجِيْرُ	يَامُجِيْرُ
अय वचाने वाले	अय वचाने वाले	अय वचाने वाले

तरजमा

पाक है वोह अल्लाह जो मिलक और बादशाही वाला है पाक है वोह अल्लाह जो इज्जत वाला है अजमत वाला है और हैवत वाला है और कुदरत वाला है वडाई वाला है और सतवत वाला है पाक है वोह अल्लाह

जो बादशाह है जिन्दा रहने वाला है के उसके लिए नीन्द है और ना मौत है वो बेइन्तहा पाक है बेइन्तहा मुकद्दस है हमारा परवरदिगार और फरिशतो और रूह का परवरदिगार है इलाही आग से बचाना अय बचाने वाले अय बचाने वाले अय बचाने वाले ।